SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing. *...(Interruptions)...* The Chairman has not permitted me and I am not allowing. *...(Interruptions)... .* Please sit down. *...(Interruptions)...* I said, "please take your seats". *...(Interruptions)...* Once I give my ruling, nothing will go on record. *...(Interruptions)...* I am not asking the Minister to make any comments just now. *...(Interruptions)...* Just one minute. I tell you one thing. When the Chairman gave permission to one Member, he did not tell me the whole House is going to reopen the issue. So, I am not allowing. *...(Interruptions)...* Sit down. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* Just one minute. If you are so concerned about it, you may go and ask the Chairman. If he gives permission, I have no objection. *...(Interruptions)...* Unless and until he gives permission, I am not allowing.*...(Interruptions)...* It is not going on record. *...(Interruptions)....* Mr. Dara Singh, are you speaking or not? *...(Interruptions)...*

श्री दारा सिंह चौहान (उत्तर प्रदेश) **:** मैडम, कैसे बोलूं।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Madam, in protest, we are walking out. *...(Interruptions)...*

(at *this stage some hon. Members left the Chamber.)*

SPECIAL MENTIONS

Demand for prohibiting indecent and undesirable advertisements on television channels

श्री दारा सिंह चौहान (उत्तर प्रदेश) **:** उपसभापति महोदया, उदारीकरण की नीति के पश्चात प्रसारण के क्षेत्र में बहुत उन्नति हुई है। आज देश में मनोरजंन और जानकारी प्रदान करने के लिए विभिन्न चैनलों की बाढ़ आ गयी है तथा विज्ञापन इन सभी चैनलों की आमदनी का प्रमुख स्रोत हैं। पैसा कमाने की होड़ में कई बार तो एक एपीसोड में इतने विज्ञापन होते हैं कि आदमी एपीसोड से ज्यादा समय विज्ञापन देखता है। बार-बार आता है "मिलते हैं ब्रेक के बाद"।

* Not recorded.

बात अगर साधारण विज्ञापन की हो तो भी सहनीय है किन्तु इन्होंने एक अभद्र रूप धारण कर लिया है जिसके बाद में मैं चर्चा करना उचित नहीं समझता। विज्ञापन इतने अश्लील और अभद्र हैं कि इनको देखकर स्वयं ही शर्म आ जाती है । शहर में बड़े-बड़े बोर्ड प्रचार के लिए लगे हुए हैं कि "पहली नजर, पहली खबर" । यही नहीं, समाचार चैनलों तथा गंभीर विषयों पर चर्चा के वक्त भी इस तरह के विज्ञापन आते हैं। मतलब कि बाकी प्रोग्राम छोड़िए, अब समाचार भी हम अपने परिवार के साथ नहीं देख सकते । मेरे विचार से इस तरह के विज्ञापन हमारी संस्कृति और सभ्यता से मेल नहीं खाते । वैसे ही हमारे समाज के नैतिक मूल्यों में काफी गिरावट आ चुकी है, इस तरह के विज्ञापन हमारी नई पीढ़ी को अच्छे नैतिक मूल्यों का सबक नहीं दे रहे हैं बल्कि उसको गिरा रहे हैं।

अत: मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस तरह के अश्लील और अभद्र विज्ञापनों पर तुरन्त रोक लगाई जाए और एक संहिता बनाई जाए जिससे कि हम अपनी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा कर सकें।

श्री रमा शंकर कौशिक (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मैं माननीय सांसद से स्वयं को संबद्ध करता हूं । महोदया, यहां तक हो रहा है कि नमक का विज्ञापन आ रहा था और महात्मा गांधी की तस्वीर उसमें दिखाई जा रही है। इस तरह की बातें हो रही हैं।

श्री बालकवि बैरागी (मध्य प्रदेश) : महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वंय को संबद्ध करता हूं।

श्रीमती सविता शारदा (गुजरात) : महोदया, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

SHRI M.P. ABDUSSAMAD SAMADANI (Kerala) : Madam, I also associate myself with what Shri Dara Singh Chauhan has stated.

उपसभापति : श्री मनमोहन सामल । बायो डायवर्सिटी पर तो हाउस में डिसकशन हो चुका है। आप क्या खाली उड़ीसा तक ही सहमत हैं?

Need to protect biodiversity and ecology of coastal line of Orissa

SHRI MAN MOHAN SAMAL (Orissa): Madam, I wish to draw the attention of the Government to the problem of ecological imbalance taking place in the area, from the Mahanadi river mouth to Dhamara and Devi river delta, which comes to* 700 square kilometres. Unfortunately, due to mindless human activity like cutting down of mangrove forests, cultivation, prawn culture, etc., this vast stretch of mangrove forests, which acted as a natural wall against cyclonic storm and sea wave, has been reduced to